

## कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

© Jul 9, 2021 • uap party haryana, haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, INLD, jjp, किसान अधिकार, कृषि एवं किसान कल्याण भारती जनधरणगत चलाल, चौथी चरण तिह हरियाणा कृषि विभागितालय हिलाई विभागितालय के कुलपति प्रोफेसर गी.आर. कमलीज



एचएस्ऎ में बागवानी अधिकारियों की बच्चुअल कार्यशाला में बागवानी में सम्बद्ध सिफारिशों को शान्ति करने को लेकर हुआ मंथन

हिलाई : ०९ जुलाई - प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण भारती जनधरणगत चलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी जिलकाट होती वो आजीविका का दायर न मानकर एक किसान की तरह काम करें। इसी न देखने किसानी की आवाजें ने डाकापा होना के चौथी चरण तिह हरियाणा कृषि विभागितालय हिलाई व बागवानी विभाग हुरियाणा सटपंथ के दायर कल्याणधान ने वर्द्धन माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित करवाकाला की बढ़ी गुरुत्वालिय टानोंकी बाट टहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों दो आडान करते हुए कहा कि वे किसान की दामदारी वो ध्यान जिलाकर कार्य करें। दिन बाबी वो कली हो दही है, ऐसे में वैज्ञानिक काम पानी ने तेवाट वी जाने यानी पहली बागवानी व बागवानी जैसी विभिन्न किंडनी व तसाजीवी वी विकासित करें ताकि कल उर्च नै किसानों की अनंदनी बहाई जा राखें। उन्होंने ज्यादा ज्यादा विकासों को बागवानी व लायिकों की ओर प्रेरित करने वाला आडान किया।

कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने सिविलियालय तो वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हुरियाणा नीजी की तरह दृष्टि कर इटी प्रकार के दुर्गतिक तीन वर्ष छाड़ तेवाट कर कम लागत ने विकासों वो उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हुरियाणा प्रदेश की डीनाए राष्ट्रीय बागवानी तो लटी हुई है इकालिए किसानों वो अधिक ही अधिक बागवान करते हुए उठी अनुरुप लोगों की डिमांड अनुत्ताप फल व लायिकों की दोस्ती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों दो टाक्कुद बनाकर दोस्ती करने वाला आडान किया ताकि उसे बाजार टका अपनी छातान को पहुंचाने वी परिवहन वी लागत कम हो जाके और अधिक दो अधिक लाभ लिया जाए। इस दोहान प्रदेश के क्रान्तिकारी किसानों की लकड़ता वी बागवान परिवार वी विजेय विद्या गया।

कृषि को आजीविका की बजाय मिशन  
मानकर करें काम : जेपी दलाल

By Rajniit Singh Admin

एयरेयू में बागवानी अधिकारियों की व्युअल  
कार्यशाला में बागवानी में समर्थ सिफारिशों को  
शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

Figure

प्राइवेट के सूचि पर फिल्म कानून के अधिकारी होता ही बहुत है फिल्म, फ़िल्मिया व सूचि अधिकारी जिलका लिते को आमुदाहित कर जाता है जल्दी, एक फिल्म की तरफ कानून है। कुछसे ज खाता फिल्मकी की अवधारणी और उत्तराधारी विभिन्न लिंगों वालों की

प्रिवेशिंद्राकाश के कुलपति प्रोफेसर बीमार बहादुर जी ने अन्तर्राष्ट्रीय से आहवान किया कि हे भौतिकी प्रीरणिक  
प्रैक्टिक्सिटी को इसके लिए उपलब्ध तकनीकों व किसी को विकसित करे ताकि दुस भौतिकी के विवरणों को इसका  
लिंग और अवधारणा किया जाए। उन्होंने कहा कि साध ही ऐसी तकनीकों का विकास करने की आवश्यकता है जिन्हें  
जानकी में विवरणों का लिंग और अवधारणा की तरफ लोगों को खुद व इसका उपयोग लानी ही हो। कृषि-  
विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय लूटपाता किटिंग की घटना कि विवरण उपयोग का समूह बनाकर अधिक हे प्रयोग उठाए  
उठाए। प्रदूष में 600 विवरण उपयोग का समूह बन द्यूक हे और इसके ही पास हाजार लाख बनाए जाएंगे। एक वर्ष पर्याप्त हे  
विवरण उपयोग का एवं अहासिंद्राकाश (कृषि) हैरियाणा जी, हरदीप किंग से बदा कि कुल विवरणों के द्वारा ही भौतिकी  
ज्ञान की जाए उसका उद्देश्य है विवरणीय वक्त वहाँ आजा याहिए। अहासिंद्राकाश वक्त वहाँ विवरणीय  
वर्तमान के कुलपति ही, अहासिंद्राकाश के भौतिकी के लिए जा रहे विवरणीय वक्त वहाँ के बारे में जानकारी ही  
और वहाँ कि हमें यह विवरणीय वक्त वहाँ आजाएगा है।

विद्युतीय विभाग नियोजन द्वारा दिए गए विद्युतीय विभाग के लिए वी आ रही बजायकारी विभिन्न विधियों के साथ ही विद्युतीय विभाग। अनुदेशन नियोजन द्वारा, इसके विवरण में विद्युतीय विभाग की वजह से अधिकारी की लेखा यात्रा एवं अनुदेशन विभाग की उपलब्धियाँ हैं। विद्युतीय विभाग के विद्युतीय द्वारा, अनुदेशन द्वारा, वारावली विभाग के संस्थान नियोजन द्वारा, वारावली विभाग में वारावली विभागीय एवं प्रशासनिक विभाग। इनका संचालन है, तुरीय द्वारा हो रहा है विभाग। वारावली विभाग में विद्युतीय विभाग के वारावली विभागीय एवं प्रशासनिक विभागों के अधिकारी, नियोजन, विभागीय विभाग अधिकारी विभाग में वारावली विभाग के अधिकारी, विभाग अधिकारी एवं विभाग वारावली विभाग।

# एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रो. बी. आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्राठकपश्च न्यूज़

हिसार, 10 जुलाई : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइग्नोस्टिक कम एकनीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आहवान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का



छाया : विजय कुमार

मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज सहित अन्य।

खुर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तथ की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कौटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

प्रत्येक केबीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस बैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह बैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की मध्यम से सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस बैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई

जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उत्पत्ति किसी और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस बैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व पृष्ठा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

सबसे पहले केबीके सदलपुर में होगा स्वागत

सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस बैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेंगी। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की इयूटियां लगाई गई हैं।

**एचएयू कुलपति ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झँडी दिखाकर किया रवाना**

## **एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रो. काम्होज**

### **प्राप्त बड़ी ख़बर**

**हिसार।** चौथरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुधिया नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री.आर. काम्होज ने माध्यमिक डाइग्नोस्टिक कम एक्सीवीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झँडी दिखाकर रखाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच य अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार

कुलपति प्रोफेसर श्री.आर. काम्होज ने



बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों य अन्य बागवानी फसलों पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं

दे पाते जिसके चलते उनके फसलों से उचित किसानों से आह्वान किया कि जे अपने खेत

की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उत्पत्तियों का खर्च कम होगा जिससे किसान की अर्थिक बचत होगी औक्त पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तथा की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों की उत्पादन की अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी य भरपूर पैदावार ली जा सके।

प्रत्येक कैंपसों के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनियास ठांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनियास ठांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस ऐन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह ऐन विज्ञान केंद्रों पर जापानी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी-पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस ऐन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग य विश्वविद्यालय

द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय को ओ से विभिन्न फसलों की उत्पत्ति किसमें और विकास तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस ऐन में एक टीम इचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक य मूदा विभाग विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा। सबसे पहले कैंपसों में होगा स्थागित

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस ऐन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। वहां के इचार्ज असपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसवा अधिक से अधिक कायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेंगे। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इचार्जों की इयूटियां लगाई गई हैं।

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

## कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री

### प्रांग को लगा

हिस्सार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलाकर खेतों को आजीविका वा साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदानी में इजाफा होगा। ये चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिस्सा व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आवोजित कार्यशाला को बताएर मुख्यालिय संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आट्यान करते हुए कहा कि ये किसानों की समस्या को स्थान में स्थानते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आट्यान किया कि ये किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किसों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदानी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व संजितों की ओर प्रेरित करने का आट्यान किया।



कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्पष्ट वा इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का आड़ तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करावाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं गोदौरी राजधानी से सटटी हुई हैं। इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीखी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुसन्धान लोगों की डिमांड अनुसार फल व संजितों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर

खेती करने का आट्यान किया ताकि उन्हें आजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौषान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किसों विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रो. वी.आर. काम्पोज

विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर श्री.आर. काम्पोज ने वैज्ञानिकों से आट्यान

करते हुए कहा कि ये क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को स्थान में स्थानते हुए उन्नत तकनीकों व किसों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि ये विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की मसलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को स्थान में रखाकर प्रयोग करें। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनिता मिश्रा, अईएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि उसका स्पष्ट असर किसानों के खेतों में नजर आए और अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सके। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितेषी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एचएसएचडीएफ अधिकारी व किसान शामिल हुए।

# एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



हिसार : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल

डाइग्नोस्टिक एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक

से अधिक जागरूक करने

के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

**बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार** कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी

नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

**प्रत्येक केवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम :** डॉ. रामनिवास ढांडा

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.

**एचएयू कुलपति ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**

रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस बैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह बैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस बैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फ़िल्म भी दिखाई जाएगी।

# कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : माननीय कृषि मंत्री जे.पी. दलाल

हिसार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।



आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले फायदा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज  
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके।

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कीटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों की सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें।

# कृषि को आजीविका की बजाय निरान नानकर करें कान : दलाल

एचएयू में गगवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में गगवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

सुभाष पंवार



हिमार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में हजाफा होगा। वे चौधरी चरण मिहं हरियाणा

कृषि विश्वविद्यालय हिमार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किसी व

में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किसी व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएँ राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फावदा उठाने के लिए स्वयं यीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व

# एप्रैल वैज्ञानिक अष्ट गांधी-गांधी जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच : प्रो० काम्बोज

बेलाकम इंडिया

हिसार/ हांसी। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा वह सूचिधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइग्नोस्टिक कम एक्जीवीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रखाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।



बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार; कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आहान किया कि वे अपने खेत की

मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तथ की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें।

# कुलपति प्रो. काम्बोज ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को झँडी दिखाकर किया रवाना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर वी. आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइग्नोस्टिक कम एक्जीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को झँडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

कुलपति ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान कसली व अन्य बागवानी कसली



हिसार। प्रदर्शनी वाहन को झँडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज।

में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से

आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए

जाने वाले रसायनिक उत्प्रेरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

# कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम: जयप्रकाश दलाल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदानी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभागीय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्तुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बताएर मुख्यालिय संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्हान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्हान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में



तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदानी बढ़ाई जा सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को सफलता की कहानी नामक पत्रिका का

भी विमोचन किया गया।

कुलपति प्रो. ओ.आर. काम्पोज ने वैज्ञानिकों से आव्हान करते हुए कहा कि वे शेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस शेत्र

के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके।

कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता पिंडा ने कहा कि इस कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ताकि उसका स्पष्ट असर किसानों के खेतों में नजर आए और अधिक से अधिक किसान लाभांशित हो सकें। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितीयी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरदीप सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

## **कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : जेपी दलाल**

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्चुअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

भारत सारथी

हिंसरा 09 जुलाई। प्रदेश के वैज्ञानिक कम मर्दीन में तेलवार को जाने वाले फलों व व्यागवाले जैसी विभिन्न किसी व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में विकासाने की अनदीदी बढ़ाव जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा अप्रतिक्रियाओं को विकासाने की अप्रतिक्रिया लगानी चाही तो विकासान की अप्रतिक्रिया लगानी होगी। वे इसके लिए विनियोग सत हैं। वितान लिखा दिल्ली ट्रॉफी की अनिवार्य हड्डी ने निवालपाल की जरूरी विकासारी गतिविधियों के बारे में विचारापूर्वक बताया। अनुसंधान विवेचक डॉ. एस. के. वराहराम को विकासान लाभान्वयी को दिया गया। उन्होंने केंद्र के साथ ही रेसीटिव विकासानों को विकासान करने का अवधारणा की है। जिससे



सबजियों की खेती करनी चाहिए।  
उन्होंने किसानों से समूह बनाकर

हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के

श्रेष्ठ अनुयार तकनीक व किस्यं  
विकसित करें ताकि लंबे समय

बा. आर. कांडवाज  
विश्वविद्यालय के कुलपति

## प्रादेशिक

# एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांचः प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 10 जुलाई। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मोबाइल डाइग्नोस्टिक कम एकजीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झँडी दिखाकर रखाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने



किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से

आहान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उत्तरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय

द्वारा तथ की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फ़िल्म भी दिखाई जाएगी।

# एचएयू वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच

एचएयू कुलपति ने मिट्टी पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। चौथरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने भोवाइल डाइग्नोस्टिक कम एकजीवीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने



कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है।

**बिना मिट्टी-पानी जांच नहीं मिल पाती उचित पैदावार:** कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार

उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उत्तरकां का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके।

**सबसे पहले केंवीके सदलपुर में होगा स्वागत :** सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, हिसार में रखा गया है। यहां के इसके बाद प्रदेशभर में प्रत्येक जिले में स्थित ड्यूटीयां लगाई गई हैं।

**प्रत्येक केंवीके के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम : डॉ. रामनिवास ढांडा**

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी-पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उत्तर किसमें और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस वैन में एक टीम इंचार्ज, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक, लैब सहायक व मृदा विज्ञान विभाग से एक तकनीकी लैब सहायक शामिल होंगे जो किसानों को जानकारी देगा।

इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से माध्यम से किसानों को सुविधा प्रदान करेंगे। अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके लिए सभी विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की सहायता देगी।

## प्रादेशिक

# कृषि को मिथन बनाने से बढ़ेगी किसानों की आयः कृषि मंत्री

पल पल न्यूज़: हिसार, 9 जुलाई। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेतों को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने

वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कधि से कंधा मिलाकर कायर करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किसियों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाइ जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रॉड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई



हैं। इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिपार्टमेंट की तरह स्वयं की इसी प्रकार के अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समझ बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके

और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा

व किसी को विकसित करे ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों

निदेशक डॉ. रमनिवास दाढ़ा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए को जा रही कल्यानकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का ध्यावाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील दाढ़ा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

# मिट्टी, पानी की जांच के लिए चलती फिरती लैब कुलपति ने की रवाना

द्विसार/10 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खुद किसानों के पास जाकर उनके खेत की मिट्टी-पानी की जांच करेंगे। अब मिट्टी-पानी जांच के लिए हिसार स्थित लैब के अलावा यह सुविधा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उपलब्ध हो पाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मोबाइल डाइग्नोस्टिक कम एकजीबीशन यूनिट (मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि किसानों को मिट्टी-पानी जांच व अन्य तकनीकों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसान हितों के लिए यह फैसला लिया है। कुलपति काम्बोज ने बताया कि बिना खेत की मिट्टी-पानी जांच के किसान फसलों व अन्य बागवानी फसलों में आवश्यकतानुसार उचित खाद-पानी नहीं दे पाते जिसके चलते उन्हें फसलों से उचित पैदावार हासिल नहीं हो पाती। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेत की मिट्टी की जांच समय-समय पर अवश्य करा लें। इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा जिससे किसान की आर्थिक

बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई सिफारिशों अनुसार ही रसायनों, कीटनाशकों व अन्य खादों का प्रयोग करें ताकि अच्छी व भरपूर पैदावार ली जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस वैन के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत यह वैन विज्ञान केंद्रों पर जाएगी और आसपास के क्षेत्रों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच करेगी। यह मिट्टी-पानी लैब की सभी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा इस वैन के माध्यम से किसानों को कृषि और किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय द्वारा किसान हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लघु फ़िल्म भी दिखाई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में और विकसित तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। सह-निदेशक(विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस वैन का सबसे पहला कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में रखा गया है। यहां के इंचार्ज आसपास के गांवों के किसानों को इस बारे में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए प्रेरित करेंगे।

# कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम: कृषि मंत्री

पल पल न्यूज़: हिसार, 9

जुलाई। प्रदेश के कृषि एवं

किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश

दलाल ने कहा कि किसान,

वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी

मिलकर खेती को आजीविका का

साधन न मानकर एक मिशन की

तरह काम करें। इससे किसानों की

आमदनी में इनाफा होगा। वे

चौंधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी

विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त

तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से

बागवानी अधिकारियों की

आयोजित कार्यशाला को बताएं

मुख्यालिंग संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आझान करते

हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर

हुए, कहा कि वे किसान की

उपलब्ध करवाने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की

सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई

वैज्ञानिकों से आझान किया कि वे किसानों के साथ कधि से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सभियों की ओर प्रेरित करने का आझान किया। कृषि मंत्री जे.पी. दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर हुए, कहा कि वे किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा किसान तक लेकर आए। उन्होंने



है इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आझान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उत्तम तकनीकों

व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उहोंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयोगों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा

निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सभियों को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी जिलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, फील्ड अधिकारी व किसान शामिल हुए।

# कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : जेपी दलाल

हृषि में बागवानी अधिकारियों  
की वर्चुअल कार्यशाला में  
बागवानी में समग्र सिफारिशों  
को शामिल करने को लेकर  
हुआ मंथन



समस्त हरियाणा न्यूज  
हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन को तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया को सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व

कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. मुमिता मिश्रा, आईएएस ने संबोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे।

एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक(कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी सिफारिशें मंजूर की जाएं उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसके लिए

**क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें वैज्ञानिक : वीसी**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे फसलों में रसायनों का कम से कम प्रयोग हो सके और लोगों को शुद्ध व रसायन रहित खानपान हासिल हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कोटनाशकों का ही प्रयोग करें और वैज्ञानिकों को सलाह लेकर उचित मात्रा, समय, स्थान व समस्या को ध्यान में रखकर प्रयोग करें।

वे निरंतर प्रयासरत हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने निदेशालय की ओर से किसान हितों के लिए की जा रही कल्याकारी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों की लेकर चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. मुनील ढांडा ने किया।

# किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी खेती को मिशन मानकर काम करें: दलाल

हिसार/09 जुलाई/रिपोर्टर

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती को आजीविका का साधन न मानकर एक मिशन की तरह काम करें जिससे किसानों की आमदनी में इजाफा होगा। वे चौंधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व बागवानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों

के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम खर्च में किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सब्जियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध हाइब्रिड बीजों की तरह स्वयं का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सीमाएं राष्ट्रीय राजधानी से सटी हुई हैं इसलिए किसानों को अधिक से

अधिक फायदा उठाने के लिए स्वयं सीधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुरूप लोगों की डिमांड अनुसार फल व सब्जियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आह्वान किया ताकि बाजार तक फसल को पहुंचाने में परिवहन की लागत कम हो सके और अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से कहा कि वे क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका लंबे समय तक फायदा मिल सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ग्राहक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar	10.7.24	2	7-8

### HIGH-YIELDING SUGARCANE VARIETY

Hisar: A high-yielding and early maturing sugarcane variety CoH 160 has been developed by scientists of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's Regional Research Station, Uchani in Kamal district for cultivation in Haryana. This variety has been recommended for notification by the Central Sub-Committee on 'Notification and Release of Varieties for Agricultural Crops', recently. Vice-Chancellor Dr BR Kamboj said on Friday the sugar industry in Haryana was in dire need of an early maturing and high-sugared variety, which was resistant against prevalent pathotypes of red rot disease and major pests. He said CoH 160 was fulfilling the present needs of the farming community and industry and was most suitable replacement to the dominant variety Co 0238 in Haryana. He hoped the variety would prove a wonder cane.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरवाणि	१०.७.२१	२	१-५

## **बागवानी के 80 प्रतिशत क्षेत्र में सब्जी उत्पादनः दलाल**

સાધુવું બાળો માટે ચક્કિયાદ

कृषि एवं वित्तान कल्याण मंत्री जेरॉ दत्तानन्  
ने कहा कि कृषि को एक आजीविका न  
मानकर एक विश्व के रूप में जाग भरें।

■ दूषि मंडी  
जेपी टलान  
मुख्य  
अतिथि रहे

उन्होने नहीं बात चौधरी चारण  
सिंह लरिचामा कृष्ण  
विधायिकालय द्वारा  
आकोजन 'आवाजी  
वर्कशाफ' में उर्जुआल मालायम  
से कही। दलान ने कहा कि

किसानों को परम्परागत खेती से आधुनिक खेती को तरफ बढ़ाया जाए। इसके लिये धरातल पर वाष्णवे अनुभवों के आधार पर कृषि तकनीक को विकसित करने और कृषि व सम्बद्ध दोषों में नवाचार कर बढ़ावा देने में

## कृषि विवि हिसार में वर्कशॉप का आयोजन



महात्मपूर्ण भगिका निधानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल आवासी स्ट्रेचफल में से लगभग 80 प्रतिशत स्ट्रेचफल स्थिरियों का है।

मुनाफ़ा कमा सके व्योकि पानी की चुहत बढ़ा  
समझा होता जा रहा और पानी का सेवन  
नीचे मिल रहा है।

कृषि नवीनों ने कहा कि प्रेस्टो के किसानों को अधिक उत्पादक कर बागवानी की तरफ उनका रुझान बढ़ाया जाए ताकि वे परम्परागत क्षेत्री से कम साधन व कम पानी क्षमता फसलों को तयार कर अधिक के पासी को बहुत बड़ी और पानी का लोकल भी अधिकारियों का कहा इन्हें लाने वालों ने गई लक्ष्योंको के अलावा नई तकनीकों परों अपनानी चाहीए जो किसानों को फसल के लिए मददगार साधित हो, सभव के साथ-साथ हर क्षेत्र में बदलाव लाना जरूरी है। बागवानी क्षेत्र आज के समय में सबसे ज्यादा उत्पादन एवं उत्तम देने वाला क्षेत्र है, इसके लिए अधिकारियों जो अधिक से अधिक कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर बजेन्सप में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक इरटीप सिंह, बागवानी विभाग महानीदेशक निदेशक डॉ अर्जुन सेनी, पौधरी चरण सिंह डॉरियाणा कृषि विभागितात्पर के कुलपति व अन्य मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

### लोक संपर्क कार्यालय

मामूल पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२११४, जानूरा	१०.१.२१	५	२३

सत्रात्

एवं एयु में बच्चों अल कार्यशाला में याग्यानों में कृषि मन्त्री ने दी नवीनता

## समस्या को देखते हुए तकनीक लाएं विज्ञानी

हिंदू (वि)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार च याग्यानों विभाग के संयुक्त हस्ताक्षयान में बच्चों अल मास्टर्स से बागज़नी अधिकारियों की कार्यशाला अन्वेषित हुई। जिसमें मुख्य आविष्कार कृषि एवं किसान कल्याण मंडो उपक्रम लेला गया। उन्होंने कहा कि किसान विज्ञानी व कृषि अधिकारी विलक्षक खेतों को आजीविका का साधन न मानकर एक विश्वान को तरह करते हैं। इससे न केवल किसानों की आमदानी में इजाफा होगा। उन्होंने विज्ञानियों को सलाह दी कि वे किसान को समस्या को ज्ञान में रखते हुए दुनिया को सबसे तकनीक किसान तक ले वार आए। किसानों के शाख क्षेत्र से केंद्रा विलक्षक काय करें। इस दौरान एवं एयु कूलपात्र औ वीआर कार्बोज, भूताल दियत याग्यानों विश्वविद्यालय के कुलपात्र औ समर सिंह व अन्य उपाधिकारी उपस्थित हैं।



कार्यशाला के दौरान भूताल गुजारीतियुक्ति मन्त्री जैया दत्तल व उन्होंने दी विवरण।

हाइट्रिड बीज का विधि ब्रांड करे तैयार कृषि बन्नी ने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से जागार में उपलब्ध हाइट्रिड बीजों की तरह उत्थ लगा इसी प्रकार के हाइट्रिड बीज का ब्रांड तैयार कर कम लागत में किसानों लो उपलब्ध कराने के लिए याहा। प्रदेश की सीमाएं राज्यीय राज्यानों से सटी हुई है इसलिए किसानों को अधिक से अधिक कार्यव्य उठाने के लिए स्वयं सीधी बाकेटिंग करते हुए लोगों की किमांड अनुसार होती करनी चाहिए।

### कम पानी की फसलें लाएं

पानी की कमी हो रही है, विज्ञानी कम पानी में तैयार की जान वाली फसलों जैसी विभिन्न किसी ए तकनीकों ले विकसित करे ताकि कम खर्च में किसानों ती आमदानी बढ़ाई जा सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजीत समाचार’	१०.७.२१	५	६-४

# कृषि को आजीविका की बगाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री

लिखा: ९ जुलाई (टेक्नोर्ड) : प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जगदलाल दलाल ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी नियन्त्रक खेती की आजीविका का साधन न मानकर एक किसान की तरह काम करे। इससे न केवल किसानों की व्यापदनी में इजाफा होगा। वे चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसान व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त लोकवादीन में वर्तुल माध्यम से बागवानी अधिकारियों को आजीविका कार्यशाला को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यशाला के दौरान साथ दें रखते हुए कहा है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वोत्तम तकनीक किसान तक ले जाएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ कहें मेरे कानों पिलाकर कर्तव्य करें। दिनों दिन पानी की कमी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक कम पानी में बैगान की गामे बहली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किस्मों व तकनीकों को विकसित करें ताकि कम जल में किसानों की व्यापदनी बढ़ावा दी जा सके। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को बागवानी व सभियों की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर ऐसी करने का आह्वान किया।

क्षेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विकसित करें : प्रो. काम्बोज : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान



बागवानी अधिकारियों की कार्यशाला के दौरान मौजूद मुख्यालियती कृषि मंत्री जी.पी. दलाल व अन्य। करते हुए कहा कि वे शेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जल तकनीकों व किस्मों को विकसित करें ताकि उस क्षेत्र के किसानों को इनका सभी समय तक फायदा मिल सके। कृषि विभाग की

**एथरयू में बागवानी अधिकारियों की वर्तुल कार्यशाला में रामगढ़ तिकारियों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन**

अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता भिट्ठा, अईएस ने संबोधित करते हुए किसान उपायक समूह बनाकर

अधिक से अधिक साध प्रयोग। प्रदेश में 600 किसान उपायक समूह बन चुके हैं और जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। एचएसएचडीएप के मिशन डिपर्टमेंट एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप सिंह, अईएस ने कहा कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी विकारियों भव्यता की जाए उनका ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। महाराजा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किया जा रहे विश्वविद्यालय के प्रयत्नों के बारे में जानकारी दी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमनिकास डांडा ने निदेशालय को और से किसान लिंगों के लिए को जा रही कल्याणकारी गतिविधियों के बारे में बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावर ने विश्वविद्यालय में फल व सब्जियों को लेकर बत रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह ने भी अपने विचार रखे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रणधीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील डांडा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित सभी विलों के बागवानी विभाग के अधिकारी, और सभी अधिकारी व किसान शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दिनांक पृष्ठ संख्या कॉलम  
पट्टाल मेजर १८-१-२१ ३ ३-६

## **‘कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर करें काम : कृषि मंत्री दलाल’**



दलालनी अधिकारियों की कार्यशाला के दौरान मौजूद मुख्यालिखि  
कर्तवि मंत्री जे.पी. दलाल व अन्य।

बागवनी अधिकारियों की  
दर्दुँअल कार्यशाला में बागवनी  
में सभ्य सिक्षारियों द्वारा शामिल  
छले द्वारा तेकर हुआ मंथन

**लिलार, १२ ग्रन्टर्स (पंक्ति):** प्रदेश के कृषि सभ विभाग कल्याण मंत्री नगप्रकाश दासान ने कहा कि किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर सर्वों को आत्मानिवाप का समाजन न बनकर एक विश्वान वर्ज तरह कठम करें। इसमें न केवल किसानों को आवादनों में हड्डाफा होगा। वे चौथीपरी चरण विद्युत सुरक्षायाप्त कृषि विभावियालालक व आपलाहुदी विभाग

थेत्र अनुसार तकनीक व किस्में विफलित करें  
ताकि लंबे समय तक निले फायदा : प्रो. काम्बोज

दिल्लीवालय के फूलपाली ग्रामपाल और आर. काम्होज ने पैदानानकों से आहान करते हुए कहा कि वे दोनों की भी मौजूदिक परिस्थितियों को स्थान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किस्मों को प्रकाशित करे ताकि उन सेव के किसानों द्वारा उनका लक्ष्य सम्पन्न तक पायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि साध ही ऐसी तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे छासलों में रखनाने का क्रम से कम प्रदर्शन हो सके और तेजों को बहुत व स्वाधीन रहित सान्धान हो सके। कृषि विभाग की अधिकारियत मुख्य सचिव डॉ. सुमित्रा मिश्रा ने संशोधित करते हुए किसान उत्पादक समूह बनाकर अधिक से अधिक सामूहिक उद्याएँ। प्रदेश में 600 किलोमीटर उत्पादक समूह बन चुके हैं और जन्म ही पहले हमार समूह बनाये जाएंगे।

एवं एस.एच.डी.ए के मिशन डायरेक्टर पवर नहानिंदेग्राम कृषि हस्तियाणा डॉ. हस्तीप सिंह ने बाहा कि दुसो कार्यालयों के दौरान जो भी सिपाहियों में जुर की जाए उनका ज्ञानादा से ज्ञानादा किसानों तक पहुँचाया जाना चाहिए। यहाँराजा प्रताप बागवानी विष्वविद्यालय करनाल के कृत्यपात्र प्रोफेसर समर सिंह ने बागवानी के क्षेत्र में किए जा रहे विष्वविद्यालय के प्रयोगों के बारे में ज्ञानात्मक दी। विस्तार सिक्ख निवेशक डॉ. रमनिकाया सदाढा ने निवेशालय की ओर से कियानहींतों के लिए की जा रही कल्पाकारी विष्वविद्यालयों के बारे में विस्तारात्मक बताया। अनन्तराजान निवेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विष्वविद्यालय में फैल गे संज्ञियों को लेकर इन रहे अनन्तराजान कार्यों की जानकारी दी।

विश्वविद्यालय के बैठानिकों में बाजार में उपनिषद् हाइब्रिड बीजों की तरह सभी का इसी प्रकार के हाइब्रिड बीज का छोड़ तैयार कर सकते हैं। विद्यार्थी को उपनिषद् करने के लिए कहा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार . लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

२०१२ मार्च

दिनांक

१०.३.२१

पृष्ठ संख्या

२

कॉलम

३-६

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वर्जुअल कार्यशाला में कृषि मंत्री और दीसी ने रखे विचार

# कृषि को आजीविका की बजाय मिशन मानकर काम करें तो आमदनी बढ़ेगी

भरत कृषि विभाग

प्रेस के कृषि एवं किसान कल्यान मंत्री जयप्रकाश दलाल ने बाहर किसान, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती की वर्जुअल कामशाला न मानकर एक प्रश्न करे तरह काम करे। इससे किसानों को आमदनी में फायदा होगा। वे एकजू और बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्त्वाधारण में वर्जुअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों को अधिकारी कार्यशाला को बढ़ावे मुश्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आहुन करते हुए कहा कि वे किसान की समस्या को आज में रखते हुए दृष्टिया की सर्वथोर्तव्यक विभान एक संकर अदा। विदेश विन पानी की हापी हो रही है, ऐसे में वैज्ञानिक हम पानी में तैयार की जाने वाली

फसलों व बागवानों जैसी विभिन्न किसी व तकनीको को विकसन करे ताकि कम खर्च में किसानों को आमदनी बढ़ावे जा सके। उन्होंने जलवा में ज्यादा किसानों नो बागवानी व सक्षियों को ओर प्रेरित करने का उल्लङ्घन किया। कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बाजार में उपलब्ध ताइकिड बीजों की तरह स्वयं कर इसी प्रकार के ताइकिड बीज का बड़ा तैयार कर कम जागत में किसानों को उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने बाहर कि हरियाणा प्रदेश की सामाजिक गण्डीज गण्डीजों से महो छुट है इमलिए किसानों को अधिक स अधिक फलवा उठाने के लिए स्वयं सोधी मार्केटिंग करते हुए उसी अनुकूल लोगों की डिमांड अनुसार फल व सक्षियों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने किसानों से समूह बनाकर खेती करने का आहुन किया ताकि उन्हें बाजार तक अपनी

इथर, प्रो. बीआर काम्योज योले-क्षेत्र अनुसार तकनीक व किसी विकसित करें ताकि लंबे समय तक मिले पायदा एचएयू के बोगी प्रोफेसर बीआर काम्योज ने वैज्ञानिकों से आहुन करते हुए कहा कि वे खेत वी भौगोलिक परिवर्तियों को स्वयं में रखते हुए उक्त लक्ष्योंको व विभिन्न विकसित करें ताकि उस खेत के किसीको वो इनका लाभ समय तक प्राप्त कर सके। कृषि विभाग और अविकृत मूल्य मालियां द्वारा सुनिता प्रदेश अद्याएव ने संवेदित करते हुए किसान उपादाक समूह बनाकर अधिक स अधिक लाभ उठाए। एचएयूचंदीर के प्रशासन द्वारा उपर्युक्त एवं प्रह्लादेशक (कृषि) हरियाणा द्वा. हरदीप सिंह, अद्याएव ने कहा कि विभान को पहुंचाने में परिवहन की जागत काम हो सके और अधिक स अधिक लाभ मिल सके। इस दोयान

फसल को पहुंचाने में परिवहन की जागत काम हो सके और अधिक स अधिक लाभ मिल सके। इस दोयान

प्रदेश के प्रतिशील किसानों की सफलता की बाह्यनी नामक पत्रिका का भी विशेषज्ञ किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५०१.५.२०२१	११.७.२१	५	३७

# फसल पैदावार बढ़ाने के लिए एचएयू के वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी की जांच

एचएयू वीटी ने मिट्टी-पानी जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रखाना, रसायनिक उर्वरकों का स्वर्च कम होगा

नामस्वरूप लिखा

एचएयू विभाग मिट्टी-पानी जांच नामक नियम पाती उचित पैदावार वीटी प्रोफेसर वी.आर. कापोडोज ने बताया कि विना खेत की मिट्टी-पानी जांच के विभाग के कार्यक्रमों व अन्य विभागों के फसलों में आवश्यकतानुसार उपर्युक्त व्यापारी नहीं हैं। यह विभाग के खेतों पर इस वेन के कार्यक्रम तथा किए गए हैं जिनके कारण यह वेन विभाग के द्वारा पर जारी और आमतात्पर के खेतों के किसानों के खेतों की मिट्टी पानी की जांच सम्पन्न हो जाएगी। इससे न केवल विभागों द्वारा खेतों में प्रयोग किया जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का स्वर्च कम होगा अवश्य कर जाते हैं। इससे न केवल विभागों द्वारा खेतों में प्रयोग किया जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का स्वर्च कम होगा अवश्य कर जाते हैं।

डॉ. रामनिवास ने कहा— प्रत्येक केवीके सेंटर के लिए निर्धारित किए हैं कार्यक्रम मिसार यित्ता नियमक डॉ. रामनिवास छांडा ने खेतों की विश्वविद्यालय के लभी उपर्युक्त विभाग के द्वारा पर इस वेन के कार्यक्रम तथा किए गए हैं जिनके कारण यह वेन विभाग के द्वारा पर जारी और आमतात्पर के खेतों के किसानों के खेतों की जांच की जाएगी।

यह मिट्टी-पानी लेब वीटी सभी सुविधाओं से युक्त है। इसके अलावा इस वेन के माध्यम से किसानों को कृषि और विभाग कल्याण विभाग व विभवीयविद्यालय द्वारा विभाग हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की लेब सहायक शामिल होंगे जो साथ ही विश्वविद्यालय के और



सबसे पहले सदलपुर पहुंचेगी प्रदर्शनी वाहन विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की इयूटियां लगाई जाने वाली हैं। इस वेन में आवश्यकतानुसार उचित खाद्य-वाहन विभाग के द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। यहां वेन के द्वारा योग्य है। यहां के इचार्ज आमतात्पर के गवर्नरों के विभागों को इस वेन में जागरूक करेंगे और इसका अधिक से अधिक प्रयोग उठाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके बाद प्रदर्शन में प्रत्येक विभाग में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के द्वारा माध्यम से किसानों की सुविधा प्रदान करेंगे। इसके लिए सभी विभाग के द्वारा इंचार्जों की इयूटियां लगाई जाएंगी।

इलायति प्रोफेसर डॉ. आर. कामोदी ने कहा कि विना खेतों की मिट्टी-पानी जांच के विभाग



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभियान	१०.७.२१	२	३-७

### कृषि को आजीविका नहीं मिशन बनाकर काम करें किसान और वैज्ञानिक : दलाल

माइं सिटी रिपोर्टर

हिसार। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जगद्गुरु दलाल ने कहा कि किसान वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी मिलकर खेती की आजीविका का माध्यम न मानकर एक मिशन की तरह काम करें। इससे न केवल किसानों की आमदानी में उत्ताप्ति होगा। वह भीषणीय चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बागवानी विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वृद्धिअल माध्यम से बागवानी अधिकारियों की आजीवित कार्यशाला को बतौर मूल्य अतिथि संबोधित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक किसान की समस्या को ध्यान में रखते हुए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक किसान तक लेकर आये। किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलकर काम करें। वैज्ञानिक ज्ञान पानी में तैयार की जाने वाली फसलों व बागवानी जैसी विभिन्न किसियों व तकनीकों को विकसित करें। दलाल ने वैज्ञानिकों से हाइब्रिड बीज का बाड़ तैयार कर कम लागत में किसानों को उपलब्ध

एचएयू में बागवानी अधिकारियों की वृद्धिअल कार्यशाला में बागवानी में समग्र सिफारिशों को शामिल करने को लेकर हुआ मंथन

करावाने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी नामक पात्रिका का विभोचन भी किया।

कुलपति प्रौ. बीआर कांशोज ने कहा कि वैज्ञानिक ज्ञेन की भौगोलिक चर्यांशतियों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों व किसी को विकसित करें। किसान विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए रसायनों व कोटनाशकों का प्रयोग करें। कृषि विभाग की अतिरिक्त मूल्य संचित डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में 600 किसान उत्पादक समूह बन चुके हैं। जल्द ही एक हजार समूह बनाए जाएंगे। उम्मीदों पर एचएसएचडीए के मिशन डायरेक्टर एवं महानिदेशक (कृषि) हरियाणा डॉ. हरदीप मिश्र ने मेंत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

## समावार फल का नाम

दिनांक  
१९७२।

पृष्ठ संख्या

कॉलम  
३-६

'वैज्ञानिक अब गांव-गांव जाकर करेंगे मिट्टी-पानी जांच,  
जागरूकता वाहन को कुलपति ने दिखाई हरी झंडी

हिंसा, १८ गुरुवर (प्रतिष्ठा)।  
जीवनसे वापर किए जाने वाले विद्युतिकारकों  
ने ऐतिहासिक रूप सिवायां के पास  
जाति-उत्तरकालीन भी रिटार्ड-पारी की  
जाति बनाई। अब मिट्टी-पाली जाति  
के लिए हिंसा विषय सरकार अनुचित  
पहुँच सिवायां करनी की छुटि विजयन  
कहने वालों का विचार नहीं। उपर्युक्त  
लेखकों द्वारा लिखा गया इस विवरणिकालम  
का अनुसार जाति-उत्तरकालीन जाति  
में यात्रियों वालों को सिवायां का एक  
जातिसमीकरण गुरुवर (प्रतिष्ठा) की  
गाव वाले फुलांगी वालान्। जो ही  
दोनों विवरणों के विवादित बहुती  
कठिन है, कि जीवनसे ज्ञान विजय  
दीर्घिय जाति लोगों को प्राप्ति अधिक  
के उत्तराधिकारी जाति लोगों के लिए  
विवरणिकालम प्राप्ति है। ज्ञानानुषित  
विवरण वह क्रमांक लिखते हैं।

जूनपाति जैफक्का थो. अस. लडाक्का  
ने याना किं दुना किं तो पिरद्वे



फिर दो-चारी जांग एवं उद्धरणीय लालू को ही छान दिखाया। तब उसे उनके दुष्प्रभाव से बचा कर उत्तर दिया गया।

पानी जहां नहीं बिलाद़ पानी वह अ-  
जाकलाती है भलो मैं उत्तम अवस्था नुगा  
र्मन्त राहे-पानी वहां है यह जिसके  
दापी उठ उठाएँ कै तरिख बिला-

जाहन को हरी प्रस्तुति दिखाकर उच्चान  
लम्बाई सहित अन्य।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कौनम

एचपयू टैक्निक  
अब नांच-ठांच  
जाकर करेंगे मिट्टी-  
पानी की जांच

અર્થાત્તી લાગે આ વિષય

एचएयू कुलपति काम्बोज ने मिट्टी-पानी की जांच एवं प्रदर्शनी वाहन को हरी झँडी दिखाकर किया रखाना

किसानों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय का मैसूरा।

प्रत्येक नेतृत्व के लिए कार्यक्रम  
विस्तृत : डॉ. दाश



विनाश।  
विद्यु-पानी  
वाह पर  
प्रसारने वाह  
का विनाश  
करते  
विनाशकालीन  
के पूर्णान्ते  
विनाश  
में अन  
कम्भेजन  
अन्य।  
वोटी लीपृष्ठ